राष्ट्रवाद का मूल भाव है आमजन व किसान से : प्रो प्रमोद

- इतिहास विभाग की तरफ से राष्ट्रवाद आदर्थ व यथार्थ विषय पर संगोष्ठी

आरडीएस कॉलेज में संगोष्ठी.

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

आरडीएस कॉलेज में शनिवार को इतिहास विभाग की तरफ से राष्ट्रवाद आदर्थ व यथार्थ विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गयी. मुख्य वक्ता एलएस कॉलेज के शिक्षक व विवि के इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेज प्रो प्रमोद कुमार थे. उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रवाद वर्तमान दौर में हाइब्रिड राष्ट्रवाद का रूप ले चुका है. कई मायनों में राष्ट्रवाद मूल भावना से अलग हटकर अपना मिश्रित रूप प्रकट कर रहा है. भारतीय राष्ट्रवाद का मूल भाव भारत के आमजन व किसान से मतलब रखता है. असहयोग आंदोलन के दौरान टैगोर के साथ संवाद में गांधी ने कहा था कि भारतीय राष्ट्रवाद कोई वर्जन शील अवधारणा नहीं है, बल्कि यह समावेशी व सहिष्णु है.

कॉलेज की प्राचार्य प्रो अमिता शर्मा ने कहा कि राष्ट्रवाद पर सेमिनार के आयोजन से कॉलेज परिवार के सभी शिक्षकों कर्मचारियों व छात्रों को काफी लाभ पहुंचा है. इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ संजय सुमन ने कहा कि राष्ट्रवाद लोगों के समूह की उस आस्था का नाम है, जिसके तहत वे खुद को साझा इतिहास, परंपरा, भाषा और संस्कृति के आधार पर एकजुट मानते हैं. डॉ एमएन रिजवी ने कहा कि सामंतवाद के पतन के उपरांत राष्ट्र राज्य की अवधारणा के साथ अमेरिकी व फ्रांसीसी क्रांति ने विश्व को राष्ट्रवाद की अवधारणा से परिचित कराया. लेकिन यूरोपीय राष्ट्रवाद ने विश्व युद्ध भी करवाए. मंच का संचालन डॉ कहकशां ने किया. अतिथियों का स्वागत डॉ ललित किशोर ने किया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनीष कुमार शर्मा ने किया. संगोष्ठी में डॉ राकेश कुमार, डॉ नीलिमा झा, डॉ राजीव कुमार, डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता, डॉक्टर सत्येंद्र प्रसाद सिंह, डॉ उमाकांत शर्मा, डॉ अजमत अली थे.

Seminar on the topic Rashtravad: Adarsh aur Yatharth on 20.03.21